



सारी दुनिया

बच्चो अंगुलियों के इशारों पर दुनिया
अंगुलियाँ मौन रहकर भी कितना कुछ

आई सवारी गजराज की



दौड़ के लिए तैयार



गोल कीपर



दम लगाके हईशा S S

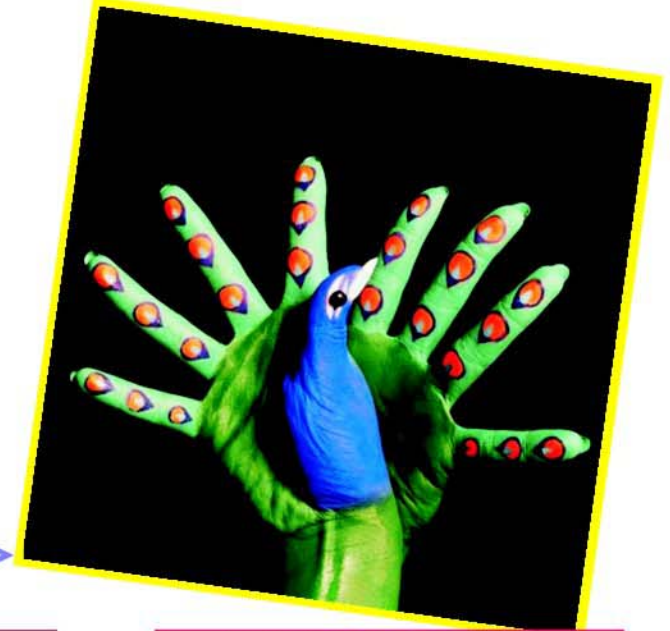


चली नौका मेरी

अंगुलियों पर

को नचाना तो बस एक मुहाबरा है लेकिन
कह जाती है, कितना कुछ कर जाती हैं।

नाचा मन मयूर



मुर्गे ने दी बांग



आओ : फुटबाल खेलें



संगीत निर्देशक



बाद्य वादक